# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०१

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१० जनवरी २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला से मिला सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल। चित्र में श्री बिरला को मोमेण्टो प्रदान करते हुए परिलक्षित हैं दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा तथा अन्य केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारीगण।

## सभी पाठकों को नववर्ष एवं ७२वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

०३ जनवरी २०२१: होटल विश्वरत्न, गुवाहाटी में आयोजित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल को शपथ दिलाते तदर्थ समिति के संयोजक व पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय तोदी।

स्व. सीताराम रूँगटा

जन्म शतवार्षिकी पर विशेष

(पृष्ठ ७ से १२ पर)

## इस अंक में –

- अध्यक्षीय : सबको पहुँचे विकास का लाभ
- सम्पादकीय : बीस से इक्कीस रहेगा नया साल
- प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर
- आलेख : राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष

| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals

Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

# समाज विकास

◆ जनवरी २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०१
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

## अनुक्रमणिका


| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**<br>बीस से इक्कीस रहेगा नया साल | ४ |
| ● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**<br>सबको पहुँचे विकास का लाभ | ५ |
| ● **जन्म शतवार्षिकी पर विशेष : संजय हरलालका**<br>स्व. सीताराम जी रूँगटा | ७-१२ |
| ● **रपट** : उद्योग-व्यवसाय एवं समाज के लोगों के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वार्तालाप | १३ |
| ● **प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर** | १४ |
| ● **आलेख : अनिल जाजोदिया**<br>हर युवा में है विवेकानन्द होने की क्षमता | २३ |
| ● देव-स्तुति | २४ |
| ● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत | २५-२६ |


**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन : ०३३-४००४ ४०८९**

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

**◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

**कोरोना त्रासदी से बचाव हेतु, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समस्त समाजबंधुओं से सरकार द्वारा जारी मास्क, शारीरिक दूरी, स्वच्छता सहित सभी दिशा-निर्देशों के अनुपालन का आह्वान करता है!**

# बीस से इक्कीस रहेगा नया साल

२०२० का वर्ष पूरे विश्व को थर्राते हुए गुजर गया। कहते हैं कैसी भी परिस्थिति हो उसका अंत होना ही है। वर्ष गुजर गया किन्तु विश्व के प्रत्येक मानव पर अपने चिह्न छोड़ गया। एक हथौड़े की तरह इसने सभी को किसी न किसी प्रकार से चोटिल किया है। विपरीत परिस्थितियाँ हमारे जीवन में हमें सबल एवं शिक्षित करने आती है। २०२० के अनुभव हमें आजीवन याद तो रहेंगे ही, साथ ही आने वाली पीढ़ी को इन अनुभवों से सीखना होगा। कोरोना महामारी ने हमें जीने का नया सलीका सिखाया है। नये वर्ष में प्रवेश करने के साथ-साथ एक बार पिछले वर्ष के अनुभव पर नजर डाल लें तो अच्छा होगा।

१. पहला सुख निरोगी काया सिर्फ मुहावरा ही नहीं है, बल्कि वास्तविकता है। हम कह सकते हैं कि तू नहीं तो तेरे बिना जिन्दगी बेकार है।

२. वर्तमान में जीयें – वर्तमान को पूर्ण सजगता से जीने से भविष्य अपने आप सुधर जायेगा। भूत एवं भविष्य में कुछ नहीं रखा है।

३. जीने के लिए हमारी जरूरतें बहुत सीमित हैं। इसकी पूर्ति संभव है। किन्तु ख्वाहिशें तो राजा की भी पूरी नहीं होती।

४. जीवन एक यात्रा है। इस रास्ते में बहुत से पड़ाव आते हैं, सुहावने एवं डरावने दृश्य नजर आते हैं। जीवन की गति को थोड़ा धीमी करके इस यात्रा का पूरा आनंद लेने का चैतन्य प्रयास करना चाहिए। भागदौड़ की सोच एवं दिनचर्या जीवन को नीरस बना देती है।

५. जीवन छोटी-छोटी बातें, छोटी-छोटी आदतों से बना है। इन्हें ठीक से अंजाम देने से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

६. हमें उन बातों पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जिन्हें हम बदल सकते हैं। उन परिस्थितियों को स्वीकार कर लेना चाहिए जिन्हें हम बदल नहीं सकते।

७. जीवन को अहम से बचाकर रखना चाहिए। अहम के कारण ही हम एक दूसरे से सहयोग की जगह प्रतियोगिता, दिखावा, आडम्बर आदि में लिप्त रहते हैं।

८. जीवन की क्षणभंगुरता की जानकारी तो हम सभी को थी, पर इस वर्ष इसका अहसास सदैव बना रहा। फलस्वरूप परमपिता परमेश्वर की परम सत्ता पर विश्वास अधिक बलवती हुआ।

इन अनुभूतियों को जल्दी से भुलाया नहीं जा सकता। इन्हें हम सदा के लिये याद रखेंगे तो विश्व और अधिक सुंदर बनेगा।

कोरोना ने एक बहुत बड़े समाज सुधारक का कार्य भी सम्पन्न किया है। समाज के कार्यक्रम अब बड़े-बड़े पंडालों एवं हॉलों की जगह ऑनलाइन हो रहे हैं। इससे विश्व के सभी कोने से लोगों को जुड़ने का अवसर मिलता है। धर्म के नाम पर आयोजित होने वाले वृहद कार्यक्रमों में भी लगाम स्वतः ही कसा गया है। परिवार एवं समाज के महत्व का अहसास हुआ है। इस संकट की घड़ी में लोगों ने मानवीयता का परिचय देते हुए एक दूसरे की मदद के लिए निःस्वार्थ भाव से आगे आकर उदाहरण प्रस्तुत किया। खासकर स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार अपनी सेवाएँ दी, जो एक मिसाल है।

२०२० के अंधी सुरंग के अंत के साथ २१ में प्रकाश की किरणें अब दिखाई देने लगी है। शक्ति, धैर्य, उमंग एवं जुझारूपन हमारे अंदर ही है। इन उपादानों का मनुष्य अपने जीवन में प्रयोग कर किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकता है।

आशा है कि नया वर्ष नयी संभावनायें लायेगा। फिर भी सब कुछ पहले जैसा हो जायेगा इसकी संभावना कम है। सभी प्रकार के वृहत समागम से लोग बचेंगे, अभी इसका विकल्प नहीं है। इंटरनेट ने पूरे विश्व को जोड़ दिया है। इसका प्रयोग अधिक से अधिक हो रहा है एवं आगे भी बढ़ता जायेगा। स्मार्टफोन के कारण इंटरनेट का प्रयोग सुविधाजनक हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों में प्रतिदिन स्मार्टफोन व्यवहार करने में २५ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्मार्टफोन के प्रयोग के क्षेत्रों में असीमित संभावनाएँ दिख रही है।

अगर हम विपरीत परिस्थितियों से सबक लें तो वे परिस्थिति हमारे मंगल के लिए ही आती है। हमारा जो भी क्षति हुआ है उसे स्वीकार करते हुए हमें नये वर्ष में प्रवेश करना है। सभी दुःख, दर्द, कड़वाहट को भूलते हुए फिर से एक नई शुरूआत करनी है। कोरोना का टीकाकरण हमारे देश में प्रारम्भ हो गया है। आशा की जाती है आगामी छह महीनों में स्थिति फिर से व्यवस्थित होने लगेंगे। नये वर्ष में अपने पिछले अनुभवों को देखते हुए कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए। नकारात्मकता, नकारात्मक सूचना से बचें। टी.वी. देखना बंद नहीं कर सकते तो कम से कम देखिये। जंकफूड एवं डिब्बाबंद भोजन का प्रयोग कम से कम करें। हमारे समाज का संस्कार हमें सिखाता है कि धन कमाएँ पर जीवन में धन ही सब कुछ नहीं है।

इन्हीं आशा, आकांक्षाओं, शंकाओं के साथ हम नये वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। कहा गया है – रात जितनी संगीन होती है, सुबह उतनी ही रंगीन होती है। आप सभी पाठकों को नये वर्ष की अनेकानेक शुभकामनाएँ एवं बधाई! आशा करता हूँ कि बीस से इक्कीस रहेगा नया साल। इस माह हम गणतंत्र दिवस भी नये जोश एवं उत्साह के साथ मनायेंगे। इस पावन अवसर की आप सभी पाठकों को शुभकामनाएँ।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

# सबको पहुँचे विकास का लाभ

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सम्मानित सदस्यों को राष्ट्र के ७२वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाईयाँ एवं अशेष मंगलकामना प्रेषित करता हूँ!

२०वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध के प्रारंभिक काल में सद्यस्वतंत्र भारत जब अपनी शैशव अवस्था में था, तब २६ जनवरी, १९५० को हमारे राष्ट्रनिर्माताओं ने अपना संविधान लागू किया एवं गणतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाने का अत्यंत विवेकपूर्ण निर्णय लिया। इतिहास साक्षी है कि उस कालखंड में स्वतंत्र हुये अनेक देश लम्बे समय तक राजनैतिक उथल-पुथल से गुजरे, अधिनायकवाद का शिकार हुए और गृहयुद्ध जैसी स्थितियों का भी सामना किया। उपयुक्त शासन व्यवस्था का दूरदर्शी निर्णय कर हमारे अंग्रजों ने हमें एक अमूल्य विरासत सौंपी है और एतद हम उनके चिरऋणी हैं। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उनका नमन करते हुए, आज अपने गणतंत्र की उपलब्धियों पर गर्वान्वित होने का दिन तो है, पर साथ ही यह दिन आंकलन एवं सिंहावलोकन का भी है।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में हमने बहुत अच्छी प्रगति की है। औसत उम्र, सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय, खाद्यान्न उपलब्धता, सैन्यशक्ति, आदि, अनेक क्षेत्रों में हमारी उपलब्धियाँ अत्यंत संतोषजनक हैं। तथापि, ७१ साल के गणतंत्र में जितनी प्रगति हमें करनी चाहिये थी, हम नहीं कर पाये हैं। अभी भी देशवासियों की एक बड़ी संख्या तक विकासजनित सुविधाओं का लाभ नहीं पहुँच पाया है। अमीरों और गरीबों के बीच की खाई पाटने की हमारी कोशिशों को इच्छित परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। जब तक हम इस दिशा में संतोषजनक सफलता प्राप्त नहीं करते, समाज का अंतिम व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम नहीं होता, हमारा गणतंत्र गर्व करने योग्य नहीं माना जा सकता। राष्ट्र के हर तबके के आर्थिक और सामाजिक न्याय प्राप्ति में ही हमारे गणतंत्र की सफलता निहित है और यह हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य होना चाहिए। इसे प्राप्त करने के लिये केन्द्र और राज्य सरकारों सहित हर स्तर से यथासम्भव प्रयास होने चाहिए।

एक और अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चिंतनीय विषय है हमारा राजनैतिक परिदृश्य। एक समय था जब हमारे राजनेताओं के प्रति लोगों में आस्था होती थी। आज नेताओं के प्रति आमजन में विश्वास का स्तर अत्यंत कम है, आस्था की तो बात ही बेमानी होगी। राजनेताओं के विरुद्ध भ्रष्टाचार का आरोप लगने पर लोग आंदोलित नहीं होते बल्कि इसे 'कोयले की दलाली में हाथ काला' की तर्ज पर लगभग स्वाभाविक मान लिया जाता है। यह एक दुखद एवं सोचनीय स्थिति है, आवश्यक है कि राजनीति में साफ-सुथरी छवि के लोग आयें, चुनाव सहित हर राजनैतिक प्रक्रिया में हिस्सा लें और राजनैतिक प्रतिनिधित्व का अहम अंग बनें। इस दिशा में राजनैतिक दलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और यदि उन्हें अपनी दीर्घकालिक विश्वसनीयता की जरा भी चिंता है तो इस विषय पर ठोस कदम उठाने ही होंगे!

इस माह हम अपने दो प्रणेताओं स्वामी विवेकानंद (१२ जनवरी १८६३ – ४ जुलाई १९०२) और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस (२३ जनवरी १८९७ – १८ अगस्त १९४५) की जयंतियाँ क्रमशः 'युवा दिवस' एवं 'पराक्रम दिवस' के रूप में मना रहे हैं। जहाँ स्वामीजी ने अपने अल्प जीवनकाल में आत्मविश्वास, चेतना, तार्किकता, धैर्य, साहस जैसे गुणों के बल न सिर्फ भारत अपितु वैश्विक पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, वहीं नेताजी ने अपने शौर्य और साहस से राष्ट्रीय चेतना जागृत की एवं मातृभूमि हेतु सर्वोच्च बलिदान किया। ये दोनों अनंत काल तक हमारे प्रेरणास्रोत बनें रहेंगे, विनम्र-कृतज्ञ श्रद्धांजलि!

प्रसन्नता की बात है कि अभी संयुक्त राज्य अमेरिका में माननीय बाइडेन के नेतृत्व में बनी नयी सरकार में भारतीय मूल के कई व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मिली है, उनमें अपने समाज की महिलाएँ भी शामिल हैं। हमें उन पर गर्व है।

प्रतिवर्ष १४ जनवरी को आस्था का पवित्र पर्व मकर संक्रान्ति मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि ताइ पोंगल, तिरुनल, उझवर, उत्तरायण, भोगाली बिहु, शिशुर सेंक्रात, खिचड़ी, पौष संक्रान्ति, मकर संक्रमण, लोहड़ी, आदि, विभिन्न रूपों में यह पर्व पूरे राष्ट्र में मनाया जाता है। भगवान भास्कर के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश का यह पर्व सही मायनो में राष्ट्रव्यापी है। गत वर्ष के दुखों, निराशा, हानि, भय, अनिश्चितता के तिमिर को तिरोहित करते हुए पूरे समाज, राष्ट्र एवं विश्व के जीवन में, सूर्यदेव आगामी समय में स्वास्थ्य, सम्पन्नता, आशा और सफलता का प्रकाश लायें, इन मंगलकामनाओं के साथ...

जय समाज, जय राष्ट्र!

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

# विरल एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी
# स्व. सीताराम जी रूँगटा

– **संजय हरलालका**, *राष्ट्रीय महामंत्री*

मारवाड़ी समाज के गौरव स्व. सीताराम रूँगटा का जन्म बगड़ (झुंझुनू, राजस्थान) निवासी स्व. माँगीलाल रूँगटा-श्रीमती शेवों देवी के घर २७ दिसम्बर १९२० को चाईबासा में हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा-दीक्षा तथा मैट्रिक तक की पढ़ाई चाईबासा के ही जिला स्कूल में पूर्ण करने के पश्चात आगे की पढ़ाई के लिए उनको कलकत्ता भेजा गया। विज्ञान की पढ़ाई उन्होंने कलकत्ता के प्रख्यात संत जेवियर्स कॉलेज से की। तत्पश्चात् विद्यासागर कॉमर्स कॉलेज, कलकत्ता में बी.कॉम (अंतिम वर्ष) तक अध्ययन किया। उस वक्त बी.कॉम तक की पढ़ाई गिने-चुने लोग ही करते थे, जिन्हें उच्च शिक्षित कहा जाता था। उनका विवाह राजेश्वरी देवी के साथ २७ मई १९३९ को हुआ जिनसे दो पुत्र एवं दो पुत्रियाँ हुईं।

### सादगी की प्रतिमूर्ति

सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले स्व. सीताराम जी मृदुभाषी होने के साथ-साथ सरलहृदय, मिलनसार, सफल उद्यमी तथा दूरदर्शी प्रतिभा के धनी थे। प्रत्येक जाति, समुदाय एवं धर्म के लोगों के दिलों में उनके प्रति अत्यन्त आदर एवं सम्मान का भाव था।

### व्यवसाय एवं कुशल नेतृत्व

उन्होंने अपने कार्यकारी जीवन की शुरूआत झारसुगुड़ा और भुवनेश्वर में हवाईपट्टी के निर्माण कार्य से की और आगे चलकर तत्कालीन बिहार एवं उड़ीशा स्थित आयरन अयस्क, मैंगनीज अयस्क एवं दूसरे खनिजों के खनन कार्य का प्रबंध-संचालन किया। कुशल प्रबंधन-नेतृत्व तथा व्यवहार कुशलता की खूबी से खनन व्यवसाय में उन्होंने उल्लेखनीय कामयाबी हासिल की। रूँगटा माइन्स लिमिटेड लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क के खनन में देशभर में ख्याति अर्जित कर अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी प्रेरणा से कालान्तर में झारखण्ड और उड़ीसा जैसे राज्यों में **'रूँगटा स्टील'** के नाम से इस्पात बनाकर मूल्य-संवर्धन (वैल्यू एडिशन) की दिशा में एक अच्छी पहल हुई, जो आज ख्यातिप्राप्त है।

### व्यवसायिक संगठनों में योगदान

सन् १९६२ में वे ईस्टर्न जोन माईनिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बने और लगातार १९९४ तक उस पद आसीन रहे (उल्लेखनीय है कि ईस्टर्न जोन माईनिंग एसोसिएशन झारखण्ड एवं ओडिशा के खनन व्यवसायियों की शीर्ष संस्था है)। वे १९७५-७७ की अवधि में फेडरेशन ऑफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष रहे, जो खनन संबंधी प्राईवेट एवं पब्लिक सेक्टर उद्योगों की राष्ट्रीय संस्था है। उनको बिहार इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, पटना (१९७९-८१) और बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स, पटना (१९८३-८५) का भी अध्यक्ष बनाया गया। माईनिंग इन्जीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा उन्हें मानद सदस्यता प्रदान की गई।

### सरकारी संस्थानों में प्रतिनिधित्व

व्यवसाय एवं उद्योग के प्रति उनके योगदान को देखकर, आयात-निर्यात सलाहकार परिषद, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स (भा.स.), नई दिल्ली का मानद सदस्य मनोनीत किया गया। इसी

*जोड़ा, क्योंझर, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा म्यूनिसिपल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स।*

*क्योंझर, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा मेमोरियल लाईब्रेरी, बड़बिल कॉलेज।*

प्रकार उन्होंने एक सदस्य की हैसियत से खनिज सलाहकार बोर्ड, मिनिस्ट्री ऑफ स्टील एण्ड माईन्स (भा.स.) के लिए भी अपनी सेवाएँ दी। उन्हें मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे (भा.स.) के तहत रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव कमिटि, साउथ ईस्टर्न रेलवे का भी सदस्य बनाया गया। वे लौह, मैंगनीज एवं क्रोमाइट अयस्क मजदूर कल्याण कोष परामर्श समिति, मिनिस्ट्री ऑफ लेबर (भा.स.), नई दिल्ली के भी सदस्य रहे।

सिर्फ इतना ही नहीं, इसके अलावा वे बिहार और ओडिशा राज्यों के लौह, मैंगनीज एवं क्रोमाइट अयस्क मजदूर कल्याण कोष परामर्श समिति, खनिज सलाहकार समिति, बिहार श्रमिक सलाहकार बोर्ड, बिहार डाक एवं तार परामर्श काउंसिल, बिहार वाणिज्य कर परामर्श काउंसिल, बिहार आयात-निर्यात परामर्श काउंसिल और बिहार बाल-विकास काउंसिल, पटना के भी सदस्य थे।

*चाईबासा में सीताराम रूँगटा पवैलियन, बिरसा मुंडा स्टेडियम।*

## सरकारी मान्यता

डिविजनल स्तर पर वे छोटानागपुर योजना एवं प्रगति बोर्ड, राँची तथा छोटानागपुर प्रांतीय यातायात प्राधिकार, राँची के भी सदस्य बनाए गए। इसी तरह जिला स्तर पर वे अमूमन सभी सरकारी संस्थाओं के सदस्य हुआ करते थे, जैसे कि खास-महल समिति (सिंहभूम), जिला कानून निगरानी समिति (सिंहभूम), जिला नाविक एवं सैनिक बोर्ड (सिंहभूम), शिक्षा विकास

*झारखण्ड, जमशेदपुर, सुन्दरनगर में सीताराम रूँगटा मेमोरियल ट्रेनिंग ब्लॉक, महिला कल्याण समिति।*

*बड़बिल, क्योंझर, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा बालक छात्रावास, बड़बिल आई.आई.टी.।*

समिति (सिंहभूम), जिला विकास समिति (सिंहभूम), जिला को-ऑपरेटिव बैंक समिति सिंहभूम इत्यादि। इतनी जगहों पर सक्रिय तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना उनके जैसे विरल व्यक्तित्व के लिये ही संभव था।

*चाईबासा में सीताराम रूँगटा मेमोरियल टीचर रेजिडेन्सियल ब्लॉक, महिला कॉलेज।*

## शिक्षा के प्रबल हिमायती

शिक्षा के क्षेत्र में उनकी गहन अभिरुचि थी। उन्होंने बिहार और उड़ीसा में विद्यालय एवं महाविद्यालय की स्थापना में महती भूमिका निभाई। वे टाटा कॉलेज, चाईबासा के संस्थापक कोषाध्यक्ष थे और उसी वर्ष वे टाटा कॉलेज के सचिव बने और १९६२ में राँची विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेज बनने तक इस पद पर कायम रहे। सन् १९६९ में उन्होंने महिला कॉलेज, चाईबासा की स्थापना की (उन दिनों में समूचे खनन क्षेत्र, जो कि बिहार के सिंहभूम, उड़ीसा के क्योंझर एवं मयूरभंज जिलों को मिलाकर बनता है, में कोई भी पृथक महिला कॉलेज नहीं हुआ करता था)। वे महिला कॉलेज के सचिव थे और १९८० में इसके राँची विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेज बनने तक सचिव बने रहे। उन्होंने बतौर सदस्य अपनी सेवाएँ राँची विश्वविद्यालय के सीनेट और सिंडिकेट को भी दी। राँची विश्वविद्यालय उन दिनों दक्षिण बिहार (मौजूदा झारखण्ड) का एकमात्र विश्वविद्यालय हुआ करता था। वे बड़बिल कॉलेज, ओडिशा के अध्यक्ष तथा क्योंझर कॉलेज, क्योंझर वीमेन्स कॉलेज और वीमेन्स कॉलेज, जोड़ा ओडिशा के उपाध्यक्ष रहे। अपने क्षेत्र के अन्य कॉलेज जैसे

कि वीमेन्स कॉलेज जमशेदपुर, को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर और जी.सी. जैन कॉलेज, चाईबासा के प्रबंधन समिति के सदस्य के तौर पर भी उन्होंने अपनी सेवाएँ दी।

चूँकि उस वक्त शिक्षा को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था किन्तु दूरदर्शी होने के नाते उन्होंने भविष्य में इसका महत्व भाँप लिया था। अतः शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए स्कूली स्तर पर अत्यधिक सक्रिय भूमिका निभाई। वे एम.एल. रूँगटा हायर सेकेंडरी स्कूल, चाईबासा और श्री मारवाड़ी हिन्दी मध्य विद्यालय, चाईबासा के सचिव; सूरजमल जैन शिक्षा सदन, चाईबासा के कोषाध्यक्ष और स्कॉट गर्ल्स मिडिल स्कूल, चाईबासा के अध्यक्ष रहे।

## खेल को प्रोत्साहन

उद्योग-व्यवसाय, शिक्षा, समाजसेवा, धार्मिक क्षेत्र के अलावा उनकी खेलकूद में भी गहन अभिरुचि थी। इसी नाते वे हमेशा

*कोईरा, सुन्दरगढ़, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा मेमोरियल कल्याण मंडप।*

युवाओं एवं महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उनकी मदद के लिए तत्पर रहते थे। १९५२ से १९८२ तक वे सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महामंत्री रहे और बाद में इसके उपाध्यक्ष बने तथा १९९४ तक इसका निर्वहन किया। इसी प्रकार वे चाईबासा टाउन क्लब के १९९४ तक सचिव रहे। उनके मार्गदर्शन में राज्यस्तरीय फुटबॉल टूनामेण्ट्स और बैडमिण्टन चैंपियनशिप का आयोजन चाईबासा जैसे राज्य

*बगड़, राजस्थान में राजेश्वरी देवी सीताराम रूँगटा साईंस ब्लॉक, श्री चावों वीरो गर्ल्स कॉलेज।*

*झारखण्ड, पश्चिम सिंहभूम, चक्रधरपुर में सीताराम रूँगटा मेमोरियल शैक्षणिक ब्लॉक, उर्दू टाउन मध्य विद्यालय।*

के सुदूर स्थान पर नियमित रूप से होता था। वे बिहार बैडमिण्टन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के आजीवन सदस्य थे।

*पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा में सीताराम रूँगटा मेमोरियल ब्लॉक, श्री मारवाड़ी हिन्दी मध्य विद्यालय।*

## देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम

देश एवं राष्ट्रभक्ति की भावना भी उनमें कूट-कूट कर भरी थी। वे भारत स्काउट्स-गाइड्स और एन.सी.सी. एवं इसी तरह के अन्य संस्थानों के क्रिया-कलापों में गहन रुचि लेते थे। वे भारत स्काउट्स-गाइड्स, बिहार के अध्यक्ष थे और वर्ष १९७४ में तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि द्वारा '**सिलवर एलिफेंट अवार्ड**' से नवाजे गये जो स्काउट्स-गाइड्स आन्दोलन का सर्वोच्च सम्मान है। वे अपने क्षेत्र में हमेशा राज्यस्तरीय 'जम्बूरी' और एन.सी.सी. कैम्प लगाने का प्रोत्साहन देते थे।

## सामाजिक योगदान

समाजसेवा के लिये उनका योगदान अद्वितीय था। वे रोटरी क्लब, चाईबासा के संस्थापक एवं सचिव बनने के बाद अध्यक्ष बने और अपने क्षेत्र के प्रथम '**पॉल हैरिस फैलो**' बने। चाईबासा में वे हमेशा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों के आयोजन में अगुवाई करते थे। ऐसा कहा जाता है कि कोई भी व्यक्ति जब उनके पास किसी भी प्रकार की मदद की आस लिये आता था, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या विवाह से संबंधित हो,

खाली हाथ नहीं लौटता था। वहाँ से लौटने के क्रम में उस व्यक्ति के चेहरे की मुस्कान ही अपने आप में सब कुछ बयां कर देती थी।

### जन प्रतिनिधि एवं मानद न्यायाधीश

वे १९४६ में चाईबासा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के ५ वर्षों के लिए वाइस चेयरमैन चुने गये। १९५१ में इसके **चेयरमैन** बने एवं १९८९ तक के लम्बे अंतराल तक इस पद पर बने रहे, जो उनकी ख्याति का परिचायक है। किसी भी सार्वजनिक पद पर लगातार ३८ वर्षों तक बने रहने का विश्व कीर्तिमान उनको हासिल है। १९५० के दशक में न्यायाधीशों की कमी होने की वजह से सम्मानित एवं निष्पक्ष व्यक्ति को मानद न्यायाधीश बनाया जाता था। अतः उनको चाईबासा सिविल कोर्ट का **प्रथम श्रेणी का मानद न्यायाधीश** बनाया गया। न्यायाधीश के रूप में उनके द्वारा लिये गये न्यायिक निर्णय आज भी लोगों के जेहन में हैं।

*बड़बिल, क्योंझर, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा म्यूनिसिपल टाउन हॉल।*

### धार्मिक भावना से ओत-प्रोत

बात अगर धार्मिकता की करें तो वे अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मंडल ट्रस्ट, जबलपुर के उपाध्यक्ष, शंभू मंदिर ट्रस्ट के सचिव और ट्रस्टी तथा शिव करणी माता मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी भी थे।

जगद्गुरु शंकराचार्य **स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती जी** महाराज के प्रति अनन्य भक्ति एवं समर्पण का सिलसिला तो

*कोईरा, सुन्दरगढ़, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा पंचायत मार्केट कॉम्प्लेक्स।*

*सेरेन्दा, बड़बिल, क्योंझर, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा प्रार्थना-सह-सभागार, आदिवासी विकास समिति।*

उनके वक्त से आज तक परिवार में विद्यमान है। गुरुजी के आशीर्वाद से प्रतिवर्ष वनवासी शिविर का आयोजन मनोहरपुर के निकट पोसैता स्थित विश्व कल्याण आश्रम (जो एक सुदूर और आदिवासी क्षेत्र है) में करते थे जिसमें धार्मिक प्रवचन, रामायण कथा, रंगमंच और अन्य धार्मिक गतिविधियाँ संचालित होती थी। उनके प्रयास से काँची कामकोटि मठ, तमिलनाडु के

*चाईबासा, झारखण्ड में एक्स-चेयरमैन एस.आर. रूँगटा अनेक्स।*

जगद्गुरु शंकराचार्य **जयेन्द्र सरस्वती जी**, श्रृंगेरी मठ, कर्नाटक के जगद्गुरु शंकराचार्य **अभिनवतीर्थ जी**, ज्योतिर्मठ बद्रीकाश्रम हिमालय, उत्तराखंड के जगद्गुरु शंकराचार्य **कृष्णाबोधाश्रम जी** और **करपात्री जी** महाराज का आगमन १९७० और ८० के दशक में चाईबासा में हुआ करता था। यह चाईबासा और इसके इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों के लिए सुनहरा अवसर होता था कि वे इतने बड़े-बड़े, सिद्ध एवं प्रख्यात संतों का दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त कर सके।

### गौ सेवा की भावना

गौमाता के प्रति भी उनका प्रेम जगजाहिर था। १९५१ में वे श्री चाईबासा गौशाला के सचिव बने और १९८९ तक इस पद पर रहकर गौसंरक्षण को बढ़ावा देते रहे। अपनी कार्यशैली एवं सक्रियता की वजह से बाद में वे अध्यक्ष बने और १९९४ तक इस पद पर रहे। उनके प्रोत्साहन की वजह से चक्रधरपुर (झारखंड) और बड़बिल (ओडिशा) के गौ-प्रेमियों ने भी अपने क्षेत्र में गौशाला की स्थापना की।

## मारवाड़ी सम्मेलन से लगाव

जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ी सम्मेलन के क्रियाकलापों में उनकी गहन एवं सक्रिय रुचि थी। १९८०-८२ की अवधि में वे बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रहे और बाद में १९८२-८६ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में जमशेदपुर में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के १३वें राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागत समिति के वे चेयरमैन बनाये गये, वहीं १९८९ में राँची में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के १५वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वे स्वागत समिति के संरक्षक थे।

## कोलकाता में बनेगा विशाल 'सीताराम रूँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन'

समाज एवं सम्मेलन के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उनके सम्मान में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कोलकाता के अम्हर्स्ट स्ट्रीट में बनने वाले विशाल सम्मेलन

*कोईरा, सुन्दरगढ़, उड़ीसा में सीताराम रूँगटा बस स्टैण्ड।*

भवन का नामकरण '**सीताराम रूँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन**' रखने का सर्वसम्मत्त निर्णय लिया गया। प्रशासनिक एवं कागजी कार्यवाही सम्पन्न होने पर शीघ्र इस भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने की संभावना है।

*चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड में सीताराम रूँगटा मेमोरियल पॉलीक्लीनिक ब्लॉक, रवीन्द्र भवन कॉम्प्लेक्स।*

*राँची, झारखण्ड में सीताराम रूँगटा एग्जीक्यूटिव हॉल, फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेंबर्स ऑफ कॉमर्स।*

## अंतिम पारी

१७ अप्रैल, १९९४ का वह दु:खद दिन, जब ७४ वर्ष की आयु में वे इस नश्वर संसार को विदा कर ब्रह्म लीन हो गये। उक्त दिवस चाईबासा वासियों के लिए तो वज्रपात के समान था, जैसे ही उनके स्वर्गारोहण की खबर फैली, चाईबासा और आस-पास के क्षेत्र के लोगों ने अपना कामकाज बंद कर शोक जताया। सर्वस्तर पर उनकी ख्याति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता

*चाईबासा, झारखण्ड में एक्स-ऑनरेरी मजिस्ट्रेट सीताराम रूँगटा बार लाईब्रेरी अनेक्स।*

है कि उनको श्रद्धांजलि देते हुए मंदिरों, चर्चों और मस्जिदों में भी प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गई। अगर यह कहा जाये कि वे सही मायने में '**नगर पिता**' थे, तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

## मायड़ भाषा की श्रीवृद्धि का प्रयास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रतिवर्ष मायड़ भाषा की श्रीवृद्धि हेतु राजस्थानी भाषा के क्षेत्र में कार्य करने वाले साहित्यकार को 'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य पुरस्कार' प्रदान किया जाता है। इसके अलावा **एस.आर. रूँगटा ग्रुप** के सौजन्य से प्रकाशित होने वाली '**सहज राजस्थानी व्याकरण**' (हिन्दी-अंग्रेजी पर्याय सहित) पुस्तक की करीब ३० हजार प्रतियाँ मारवाड़ी सम्मेलन के जरिये वितरित की जा चुकी है, जिसके वितरण का सिलसिला निरन्तर जारी है।

## परिजनों द्वारा परम्परा का निर्वाहण

स्व. सीताराम जी रूँगटा के संस्कारों का ही प्रतिफल है

कि उनके स्वर्गवास के बाद से आज तक उनके पुत्र **श्री नन्द लाल, श्री मुकुन्द** तथा पौत्र **श्री सिद्धार्थ** जरूरतमंद और मेधावी छात्र-छात्राओं तथा शारीरिक रूप से अस्वस्थ गरीबों की मदद, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने, गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग, प्रति वर्ष निःशुल्क पेसमेकर प्रत्यारोपण, निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन, समय-समय पर पोलियो सुधार, हाइड्रोसील ऑपरेशन करवाकर तथा अनेकानेक सामाजिक-धार्मिक कृत्यों को अंजाम देकर उनके द्वारा दिखाये गये पथ पर चलते हुए परम्परा को कायम रखे हुए हैं।

## पिता की याद में स्थायी कार्य

स्व. सीताराम जी रूँगटा के संस्मरण में उनके द्वय पुत्रों एवं पौत्र ने अनेक स्कूल-कॉलेज भवन, छात्रावास, पुस्तकालय, शुद्ध-ठंडे पेय जलगृह (प्याऊ), पार्क, स्वास्थ-लाभ केन्द्र, बार एसोसिएशन बिल्डिंग, म्यूनिसिपल ऑफिस बिल्डिंग, क्रिकेट स्टेडियम, मार्केट कॉम्प्लेक्स, टाउन हॉल, क्लॉक टावर्स, कल्याण मंडप आदि का निर्माण झारखण्ड और उड़ीसा में करवाया है।

*चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड में निर्मित स्वच्छ पेयजल संत जेवियर्स हाई स्कूल, लुपुंगगुट्टु।*

बच्चों के शारीरिक विकास हेतु इण्डोर-आउट्डोर गेम्स का टूर्नामेण्ट भी आयोजित करवाया जाता है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारी की रोकथाम हेतु एक मोबाइल वैन अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच को उपलब्ध करवाई, जो निरन्तर पूरे भारतवर्ष में अपनी सेवा प्रदान कर रही है। कोलकाता के निमतल्ला श्मशान घाट को प्रदूषण रहित करने के लिए सेन्ट्रल कलकत्ता प्रेरणा फाउंडेशन के माध्यम से अत्याधुनिक शवदाह भट्टी प्रदान

*चाईबासा, झारखण्ड में सीताराम रूँगटा मेमोरियल ब्लॉक, भारत स्काउट गाइड सेन्टर।*

*राँची, झारखण्ड में सीताराम रूँगटा गहन चिकित्सा कक्ष, नागरमल मोदी सदन।*

की। इन सब कार्यों का लाभ चिरकाल तक लोगों को मिलेगा और **जब तक सूरज चाँद रहेगा** की तर्ज पर स्व. सीताराम जी रूँगटा भी लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।

**ऐसी विलक्षण प्रतिभा के धनी, महापुरुष की जन्म शतवार्षिकी पूर्ण होने के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि-पुष्पांजलि-भावांजलि अर्पित करते हुए हम ऐसे महामनीषी के प्रति नतमस्तक हैं।**

*बड़बिल, क्योंझर, उड़ीसा में निर्मित सीताराम रूँगटा क्लॉक टावर।*

### स्व. सीताराम जी रूँगटा की जन्मशती पर

महामानव को शताब्दी पर आओ नमन करें
सम्मान में उनके अर्पित श्रद्धा सुमन करें
सरल, सादगी, हर दिल अजीज को प्रणमन करें
उत्तम प्रकृति, नेक दिल, जन सेवी का स्मरण करें
दूरदर्शी महानायक के पथ का अनुसरण करें
कुशल प्रबंधक, सेवाभावी के गुण ग्रहण करें
खननकर्ता, कुशल उद्यमी के भावों का मनन करें
हर विधा हर क्षेत्र में नायक, हम उनको वरण करें
स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्र में भी उनका अनुगमन करें
सम्मानित सदस्य थे संस्थानों के, आओ नमन करें
पदचिन्हों पर परिवार चला, हम उनका भी गुणगान करें
सम्मेलन का निर्णय, स्मृति के उनके, भवन का नाम धरें
बहुआयामी विरल व्यक्तित्व के आओ चरण परें
महामानव को शताब्दी पर आओ नमन करें।

**— रतन लाल बंका, राँची**

# उद्योग-व्यवसाय एवं समाज के लोगों के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया सीधा वार्तालाप

*श्री सरोज पोद्दार*

*श्री राधेश्याम गोयनका*

*श्री हर्षवर्धन नेवटिया*

*श्री कुंज बिहारी अग्रवाल*

*श्री हेमन्त बांगड़*

*श्री संजय अग्रवाल*

*श्री संजय बुधिया*

नवान्न सभागार में वेस्ट बंगाल इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (डब्ल्यू. बी.आई.डी.सी.) द्वारा उद्योग-व्यवसाय तथा सामाजिक क्षेत्र के चुनिन्दा लोगों को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ आपसी वार्तालाप बैठक का आयोजन गत ६ जनवरी २०२१ को किया गया जिसमें मारवाड़ी, गुजराती समाज के करीब ५५-६० लोगों ने भाग लिया। इस बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को भी आमंत्रित किया गया था।

*सुश्री ममता बनर्जी*

बैठक में अपनी बात रखते हुए **सुश्री ममता बनर्जी** ने कहा कि मैंने सत्ता में आने के बाद हमेशा यह ख्याल रखा कि बंगाल में किसी भी जाति-धर्म-सम्प्रदाय के लोगों को न तो कोई परेशानी हो और न ही वे स्वयं को अलग-थलग महसूस करें। इसीलिये छठ पूजा हो या होली-दीपावली, नवरात्र में गरबा हो या दशहरा पर रावण-दहन का कार्यक्रम, गंगासागर मेला हो या क्रिसमस, सभी पर्वों तथा अवसरों पर सरकार की तरफ से समुचित प्रबंध किये गये, स्वयं भी कई कार्यक्रमों में गई तथा अपने वरिष्ठ मंत्रियों को भी भेजा। उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर लॉकडाउन के समय मैं स्वयं पोस्ता बाजार पहुँची तो देखा कि सारा बाजार बंद है। मैंने तुरन्त बाजार खोलने का निर्देश दिया, क्योंकि पोस्ता बाजार से ही सब जगह अनाज-तेल की सप्लाई होती है, उसके बंद होने से लोगों तक सहज तरीके से खाद्यान्न भी नहीं पहुँच पाता और तकलीफ के साथ-साथ महँगाई भी चरम पर होती। मुख्यमंत्री ने वहाँ उपस्थित लोगों को भी अपनी बात तथा समस्या रखने का मौका दिया।

बैठक में उद्योग जगत से **सर्वश्री राधेश्याम गोयनका** (ईमामी), **हर्ष नेवटिया**, **कुंज बिहारी अग्रवाल** (रूपा), **सरोज पोद्दार**, **कमल मित्तल** (सिलीगुड़ी), **दिनेश ठक्कर**, **संजय बुधिया** (पैट न), **विश्वनाथ अग्रवाल** (पोस्ता बाजार), **एस.पी. सहरिया**, **प्रवीण झंवर** (सिलीगुड़ी), **नरेश अग्रवाल**, **रमेश अग्रवाल**, **संजय अग्रवाल** (सेन्चुरी), **हेमन्त बांगड़**, **मेहुल मोहनका**, **ललित बेरीवाल** (श्याम स्टील), **ओम प्रकाश छावछरिया**, **मयंक दलाल**, **बंटी** (पुरुलिया), **सुमित डाबड़ीवाल**, **सुशील पोद्दार** सरीखे उद्योग-व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने अपनी बात रखी। दो-तीन व्यवसायियों ने कुछ समस्याओं का जिक्र किया तो मुख्यमंत्री ने तुरन्त वहाँ उपस्थित सम्बन्धित मंत्री **फिरहाद हकीम**, **सुजीत बोस**, **मलय घटक**, हिन्दी भाषी प्रकोष्ठ के चेयरमैन **विवेक गुप्त**, **दिनेश बजाज** तथा प्रशासनिक अधिकारी **आलापान बंद्योपाध्याय**, **राजीव सिन्हा** को निपटाने का आदेश दिया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि चुनाव के पहले लाई गई 'दुआरे सरकार' जैसी कर्मसूची से लोग अपनी समस्याओं तथा जरूरतों को सरकार तक पहुँचा पा रहे हैं, अगर यह कर्मसूची पहले आई होती तो लोगों के लिए ज्यादा कारगर सिद्ध होता।

*श्री संजय हरलालका*

*श्री नंदकिशोर अग्रवाल*

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नन्दकिशोर अग्रवाल** ने कहा कि मोटे तौर पर तो सब ठीक ही है पर जिलों में कहीं-कहीं कुछ समस्याएँ हैं।

साल्टलेक लोक संस्कृति के अध्यक्ष **श्री संदीप गर्ग** ने प्रतिवर्ष दिसम्बर माह में निक्को पार्क बिग लॉन में लगाये जाने वाले 'आपणो गांव' मेले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि अगर राजारहाट में उन्हें जमीन उपलब्ध करवाई जाये तो वे लोग चैतन्य महाप्रभु-मीरा बाई जैसी प्रभृतियों का एक दर्शनीय स्थल बनाने का प्रयास करेंगे जो कि बंगाल-राजस्थान को और करीब से जोड़ने में सेतु का काम करेगा।

करीब १ घण्टा ४५ मिनट तक चली इस बैठक में मुख्यमंत्री ने खुले दिल से लोगों से संवाद किया तथा सभी को शुभकामनाएँ दी।

*श्री विवेक गुप्त*

*श्री नरेश अग्रवाल*

*श्री ललित बेरीवाल*

*श्री सुशील पोद्दार*

*श्री श्रीप्रकाश सहरिया*

# ओमप्रकाश खण्डेलवाल ने किया प्रांतीय अध्यक्ष का पदभारग्रहण

**"मारवाड़ी समाज देश व दुनिया के जिस भी हिस्से में गये, वहाँ के चौमुखी विकास में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। साथ ही, अपनी सभ्यता-संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए, सामाजिक कुरीतियों के निवारण हेतु निरंतर कोशिशों के साथ एक आदर्श समाज की स्थापना हेतु प्रयासरत रहे। वर्तमान में समाज के समक्ष कई बड़ी चुनौतियाँ हैं जिसका सामना एकजुट होकर ही किया जा सकता है। समाज सुधार एवं सामाजिक सुरक्षा के कार्यक्रमों को सुचारु रूप से गतिमान बनाये रखने के लिए हमें संगठन को और अधिक सशक्त और सुदृढ़ बनाना होगा।"** ये विचार हैं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल** के जो उन्होंने गत ०३ जनवरी २०२१ को आयोजित पूर्वोत्तर सम्मेलन के अधिवेशन में प्रांतीय अध्यक्ष के शपथग्रहण के पश्चात बोलते हुए व्यक्त किये। समारोह का आयोजन होटल विश्वरत्न, गुवाहाटी में किया गया था।

श्री खण्डेलवाल ने कहा कि किसी भी समाज के समुचित विकास के लिए उसके हर तबके का विकास होना जरूरी है। अपने कार्यकाल के दौरान मैं समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान का भरसक प्रयास करूँगा। गुवाहाटी में बेटियों को उच्च शिक्षा में सहयोग हेतु एक बालिका छात्रावास की आवश्यकता काफी समय से महसूस किया जा रहा है, इसकी शुरूआत करना मेरी प्राथमिकताओं में होगा। कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा किये गये सेवाकार्यों से समाज में सम्मेलन की छवि में और निखार आया है। हमें इन सेवाकार्यों को और आगे बढ़ाते हुए लोगों की उम्मीदों को पूरा करना है।

समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना तथा महिला शाखा द्वारा स्वागत गीत के साथ किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में तदर्थ समिति के संयोजक व पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय तोदी** ने श्री खण्डेलवाल को प्रांतीय अध्यक्ष का शपथ पाठ करवाया। इस दौरान मंच पर तदर्थ समिति के सदस्य तथा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री विजय कुमार मंगलुनिया** व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर हरलालका** मौजूद थे। तत्पश्चात् श्री खण्डेलवाल ने अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की। **श्री अशोक अग्रवाल** को प्रांतीय महामंत्री मनोनीत किया गया। डॉ. हरलालका व श्री मंगलुनिया ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ पाठ कराया। अन्य जिलों के कार्यकारिणी सदस्यों ने जूम एप के माध्यम से शपथ ग्रहण किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने पर पूर्वोत्तर सम्मेलन की तरफ से डॉ. श्याम सुंदर हरलालका का अभिनंदन किया गया। समारोह में डॉ. हरलालका, श्री तोदी, श्री मंगलुनिया एवं श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल ने भी अपने विचार प्रकट किये।

समारोह का आयोजन कोरोना से सम्बन्धित सभी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कंचल केजड़ीवाल तथा धन्यवाद-ज्ञापन महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल द्वारा किया गया। समारोह में विभिन्न संगठनों से आये पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# सम्मेलन के कोरोना राहत सेवाकार्य के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन वितरण

विश्वव्यापी कोरोना संकट के दौरान, समाज के संसाधनहीन एवं जरूरतमंद वर्ग की सहायता हेतु गठित कोरोना राहत सेवाकार्य समिति द्वारा गत सितम्बर २०२० में 'मारवाड़ी सम्मेलन भोजनालय' योजना के अन्तर्गत 'अन्नपूर्णा रसोई' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया जिसके तहत कोलकाता व हावड़ा के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन ३०० लोगों को निःशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। **इस प्रकल्प के अन्तर्गत गत सितम्बर से दिसम्बर २०२० तक २८,१०० लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जा चुका है।**

## राष्ट्रीय सम्मेलन के आह्वान पर बिहार सम्मेलन द्वारा 'अन्नपूर्णा रसोई' कार्यक्रम

'अन्नपूर्णा रसोई' प्रकल्प को देश के अन्य शहरों में भी शुरू करने की योजना पर गत कई महीनों से विचार चल रहा था। इसी क्रम में, कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के चेयरमैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** के आह्वान पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८६वें स्थापना दिवस के अवसर पर गत २५ दिसम्बर २०२० को प्रांतीय अध्यक्ष **श्री महेश जालान** के नेतृत्व में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के ३६ शाखाओं द्वारा एक साथ 'अन्नपूर्णा रसोई' कार्यक्रम का संचालन किया गया।

अधिकांश शाखाओं द्वारा सब्जी युक्त खिचड़ी तथा कई शाखाओं द्वारा हलवा एवं पूरी-सब्जी का वितरण किया गया। कुछ शाखाओं में तो परंपरागत ढंग से पंगत में बैठा कर भी भोजन करवाया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग १४,००० लोगों ने शुद्ध पौष्टिक भोजन ग्रहण किया।

कार्यक्रम के सफल संपादन में महिलाओं तथा स्थानीय समाजबंधुओं का भी भरपूर सहयोग मिला। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जालान ने कहा कि इस कार्य के जरिये गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध होने के साथ-साथ जनसंपर्क तथा समाज को संगठित होने का भी अवसर प्राप्त हुआ है। **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने इस सराहनीय शुरूआत हेतु प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जालान सहित सभी प्रांतीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों-सदस्यों को अपना साधुवाद ज्ञापित किया।**

# दिल्ली में लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला से मिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने गत १० जनवरी २०२१ को लोकसभाध्यक्ष **श्री ओम बिरला** से मिलकर उनकी सुपुत्री के आई.ए.एस. की परीक्षा में सफलता अर्जित करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** तथा पूरे सम्मेलन की तरफ से शुभकामनाएँ ज्ञापित की। श्री बिरला ने भी सभी को मिठाई खिलाकर नववर्ष पर अपनी शुभकामनाएँ दी। सम्मेलन की ओर से परम्परागत साफा पहनाकर एवं मोमेण्टो प्रदान कर श्री बिरला का स्वागत किया गया।

मुलाकात के दौरान गत दिनों राँची में आयोजित सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में डॉ. राम मनोहर लोहिया तथा स्व. घनश्याम दास बिड़ला को भारत रत्न दिये जाने की माँग से सम्बंधित पारित प्रस्ताव से लोकसभाध्यक्ष को अवगत कराते हुए अपील की गई कि वे केन्द्र सरकार तक सम्मेलन की इस माँग को पहुँचायें। इस मौके पर बिहार प्रादेशिक व्यवसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री राज करण दफ्तरी को समाजसेवा एवं जनकल्याण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष २०२१ के पद्मश्री सम्मान हेतु उनके मनोनयन का आग्रह किया गया। साथ ही, वर्जिनिया (संयुक्त राज्य अमेरिका) में मारवाड़ी युवक अंकित कुमार की संदेहास्पद मृत्यु पर समुचित कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया। इनके अलावा, दिल्ली में मारवाड़ी भवन परिसर सहित समाज व देशहित के विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गयी। माननीय लोकसभाध्यक्ष ने सभी विषयों से सम्बंधित जानकारी ली और उन्हें केन्द्र सरकार तक पहुँचाने एवं अपने सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया**, निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** के अलावा **सर्वश्री रमेश बजाज, मुकेश बोथरा, पवन मिश्रा, टीकम चंद सेठिया एवं राजेश मुनोत** शामिल थे।


**MARWARI SAMMELAN FOUNDATION**

(A Trust of All India Marwari Federation)

# उच्च शिक्षा कोष

**समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल**

## छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
GARODIA
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

**KOX HOSIERY PVT. LTD.**

Registered Office: 1/4D, Khagendra Chatterjee Road, Kolkata - 700 002
Corporate Office: 1202B, PS Srijan Corporate Park, GP Block, Sector V, Saltlake City, Kolkata - 700 091
Visit us : www.koxgroup.com, E-mail : info@koxgroup.com, Customer Care No.: 033-4006 4747

*Deals In:*

- **Mercerized Denims** – Stretch & Rigid
- **Coated Denims** – Stretch & Rigid
- **Normal Finish** – Stretch & Rigid
- **Cotton / Polyester** – Stretch & Rigid
- **Colour Denims** – Yarn Dyed / Over Dyed Stretch & Rigid
- **Mill Washed Denim** – Stretch & Rigid

# Get the RAW materials right

**Weight Range:**
**From 5 Oz to 15 Oz / Sq. Yard**

Suryalakshmi Cotton Mills Ltd. | Sudarshan Jeans Pvt. Ltd. | Partap Industries Ltd.

## S R TEXTILE & YARN SALES PVT. LTD.

**Diamond Heritage** (9th Floor, Room No. 911) 16 Strand Road, Kolkata-700001, West Bengal, India
*Mobile:* 9830013702, 9831121155 *Phone:* (033) 66451238, 66451240
*E-mail:* info-denim@srtexyarn.com srtextile10@gmail.com

**Mills Representative • Merchant & Exporter of Yarn & Fabrics**

Ramesh Kumar Sonthalia, *Managing Director* | +91 98300 13702

*Best wishes from*

FOUNDATIONS FOR LIFE

**Meridian Plaza, 209 C.R.Avenue,**
**4th Floor, kolkata- 700006**
**Ph: 033-40083125**
**Website: www.meridiangrouprealty.in**

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

# SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**

- **Radiology**

| | |
|---|---|
| - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray |
| - Ultrasonography | - Colour Doppler Study |

- **Cardiology**

| | |
|---|---|
| - ECG | - Echo-Cardiography |
| - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring |

- Treadmill Test (TMT)

- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

## Home Blood Collection

## (033) 4021-2525, 97481-22475

## 98301 96659

**Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks**

## हर युवा में है विवेकानन्द होने की क्षमता

# जीवन में आगे बढ़ने हेतु सात विशेष गुणों को आत्मसात करना होगा

**– अनिल कुमार जाजोदिया**
निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस १२ जनवरी को प्रति वर्ष पूरे भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। विवेकानन्द युवाओं के आराध्य हैं और सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोत भी। राष्ट्रीय युवा दिवस पर विवेकानन्दजी को सही श्रद्धांजलि यही होगी कि देश की युवा पीढ़ी उन गुणों को आत्मसात् करें, जिन्होंने एक बालक नरेन्द्र को विवेकानन्द बनाया और जिन गुणों ने उन्हें मात्र ३० वर्षों के अल्प जीवनकाल में विश्व पटल के शीर्ष पर पहुँचाया।

स्वामी विवेकानन्द के जीवनशैली एवं संदेशों का अध्ययन करने पर आत्मविश्वास, जिज्ञासा, एकाग्रता, चेतना, तार्किकता, धैर्य और साहस की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। वास्तव में यह सात गुण ही हैं जिन्होंने विवेकानन्द को जीवन की कठरीली राह पर आगे बढ़ने व मुश्किल मंजिलों को प्राप्त करने की शक्ति प्रदान की।

भारत ही नहीं पूरे विश्व की युवा पीढ़ी यदि चाहे तो थोड़ा प्रयास कर इन सात गुणों को अपनी जीवनशैली का अटूट हिस्सा बना सकती है। सामान्यतया यह सात गुण हर व्यक्ति में होते हैं, आवश्यकता इस बात की है कि स्वामी विवेकानन्द की तरह अन्य युवा इन्हें निखारने व इनका लगातार प्रयोग करने का अभ्यास करें।

युवा पीढ़ी बड़ी सफलता के लिए अपने जीवन में इन सात गुणों के सर्वदा उपयोग करने का संकल्प ले तो आने वाले दौर में देश व समाज को अनेकानेक विवेकानन्द का लाभ मिल सकेगा।

स्वामी विवेकानन्द के जीवनसूत्र हमें यह बात सीखाते हैं कि हमें अपने जीवन में कुछ बनने पर नहीं, कुछ करने पर ध्यान देना होगा। महत्वाकांक्षा बुरी बात नहीं है, लेकिन महत्वाकांक्षा बनने के लिए नहीं, बल्कि कुछ करने के लिए होनी चाहिए और यह करना भी केवल अपने लिए नहीं, वरन औरों के लिए, सबके लिए होना चाहिए। जब हम अपने लक्ष्यों को व्यापक रूप देते हुए उसमें अधिक लोगों की सफलता, लोककल्याण आदि को जोड़ लेते हैं तो हमारे लक्ष्य के लिए काम करने वाले, सहयोग करने वाले और दुआ करने वालों की संख्या बढ़ जाती है। काम कितना भी मुश्किल हो यदि लोग उसके साथ जुड़ते हैं तो मंजिल आसान हो जाती है।

व्यक्ति अकेला कुछ भी नहीं हैं। हमारे अकेले का अस्तित्व भी कोई मायने नहीं रखता। वास्तव में परिवार, देश, समाज के संदर्भ में ही हमारी सफलता व उपलब्धियों का अर्थ होता है। हमारी हर परिस्थिति में समाज का योगदान भी होता है और उनके होने से ही उपलब्धि का जश्न भी संभव हो पाता है। युवाओं को अपने लक्ष्यों के निर्धारण में इस बिंदु पर भी विचार करना होगा और देश व समाज से प्रेम को प्रमुखता देनी होगी, तभी वे वास्तव में विवेकानन्द हो सकेंगे।

माता-पिता व गुरु हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उनमें आस्था व उनका आदर हमें बहुत कुछ सीखने का अवसर प्रदान करता है। अबोध से बोधपूर्ण बनने का यह सफर हर व्यक्ति के जीवन में इन्हीं तीन शख्सियतों की कृपा से संभव हो पाता है। विवेकानन्दजी से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को यह ध्यान रखना होगा कि दूसरों के अनुभवों से अपना ज्ञान बढ़ाएँ और इसके लिए उनका आदर करते हुए उनसे सीखते रहने के लिए सदा उतावले रहें।

स्वामी विवेकानन्द का जीवन अप्रासंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने व नए कीर्तिस्तम्भ गढ़ने के लिए भी जाना जाता है। हमारा समाज को, आने वाली पीढ़ी को बड़ा योगदान तभी संभव हो सकेगा जब हम अपने जीवन में कुछ नया करें और उसे दूसरों के लिए उपयोगी बना सकें। युवाओं को बदलते दौर के अनुसार अव्यवहारिक मान्यताओं से बचना होगा और सफलता के नए मार्ग चुनने होंगे। व्यक्ति के आगे बढ़ने से राह बनती है, समूहों के चलने से पगडण्डी और बड़ी संख्या में सबके साथ चलने से मार्ग बन जाते हैं।

ज्ञान व चेतना दो ऐसे मूल्यवान सूत्र हैं जो सबकी दिशा व दशा तय करते हैं। वर्तमान काल ज्ञानार्जन व स्वचेतना जागृति के लिए सर्वथा उपयुक्त है और असीमित संभावनाओं से भरा है। स्वामी विवेकानन्द के जीवन में भी इन सूत्रों का अद्वितीय योगदान रहा है और आज की पीढ़ी तो इसका प्रचुर लाभ उठा सकती है।

देश व दुनिया को हर दौर में विवेकानन्द की आवश्यकता है और युवा पीढ़ी में यह क्षमता भी है कि वह इस दिशा में पहल कर सकती है, आगे बढ़ सकती है और विश्व को नेतृत्व प्रदान कर सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि युवा अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर हों और आगे बढ़ने हेतु क्रियाशील। स्वामी विवेकानन्द ने स्वयं ही कहा था कि उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

# देव-स्तुति

## [गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

**सङ्कर्षणाय सूक्ष्माय दुरन्तायान्तकाय च।**
**नमो विश्वप्रबोधाय प्रद्युम्नायान्तरात्मने।।**

हे भगवान्, आप सूक्ष्म रूप के भौतिक तत्त्वों के उद्गम, समस्त संघटन और संहार के स्वामी, संकर्षण नामक अधिष्ठाता तथा समस्त बुद्धि के अधिष्ठाता प्रद्युम्न हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

**नमो नमोऽनिरूद्धाय हृषीकेशेन्द्रियात्मने।**
**नमः परमहंसाय पूर्णाय निभृतात्मने।।**

हे परम अधिष्ठाता अनिरूद्ध रूप भगवान्, आप इन्द्रियों तथा मन के स्वामी हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ। आप अनन्त तथा साथ ही साथ संकर्षण कहलाते हैं, क्योंकि आप अपने मुख से निकलने वाली धधकती आग से सारी सृष्टि का विनाश करने की सामर्थ्य रखते हैं। हे पूर्ण परमहंस मैं आपको नमस्कार करता हूँ।

**स्वर्गापवर्गद्वाराय नित्यं शुचिषदे नमः।**
**नमो हिरण्यवीर्याय चातुर्होत्राय तन्तवे।।**

हे भगवान् अनिरूद्ध, आपके आदेश से स्वर्ग तथा मोक्ष के द्वार खुलते हैं। आप निरन्तर प्राणियों के शुद्ध हृदय में निवास करते हैं, इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ। आप स्वर्ण सदृश वीर्य के स्वामी हैं और इस प्रकार आप आग के रूप में चातुर्होत्र नामक वैदिक यज्ञों में सहायता करते हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

**नम ऊर्ज इषे त्रय्याः पतये यज्ञरेतसे।**
**तृप्तिदाय च जीवानां नमः सर्वरसात्मने।।**

हे भगवान्, आप पितृलोक तथा समस्त देवताओं के भी पोषक हैं। आप चन्द्रमा के प्रमुख श्रीविग्रह और तीनों वेदों के स्वामी हैं। मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ, क्योंकि आप समस्त प्राणियों की तृप्ति के मूल स्रोत हैं।

**सर्वसत्त्वात्मदेहाय विशेषाय स्थवीयसे।**
**नमस्त्रैलोक्यपालाय सह ओजोबलाय च।।**

हे भगवान्, आप विराटस्वरूप हैं जिसमें समस्त जीवित प्राणियों के शरीर समाहित हैं। आप तीनों लोकों के पालक हैं, परिणामस्वरूप आप मन, इन्द्रियों, शरीर तथा प्राण का पालन करने वाले हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

**अर्थलिङ्गाय नभसे नमोऽन्तर्बहिरात्मने।**
**नमः पुण्याय लोकाय अमुष्मै भूरिवर्चसे।।**

हे भगवान्, आप अपनी दिव्य वाणी को प्रसारित करके प्रत्येक वस्तु का वास्तविक अर्थ प्रकट करने वाले हैं। आप भीतर तथा बाहर सर्वव्याप्त आकाश हैं और इस लोक में तथा इससे परे किये जाने वाले समस्त पुण्यकर्मों के परम लक्ष्य हैं। इसलिए मैं आपको बार-बार नमस्कार करता हूँ।

**यथा प्रकाशयत्येकः कृत्स्त्रं लोकमिमं रविः।**
**क्षेत्रं क्षेत्री तथा कृत्स्त्रं प्रकाशयति भारत।।**

हे भरतवंशी, जिस प्रकार इस ब्रह्मांड को अकेला सूर्य प्रकाशित करता है, उसी प्रकार जीवात्मा तथा परमात्मा चेतना द्वारा सम्पूर्ण शरीर को प्रकाशित करते हैं।

**प्रवृत्ताय निवृत्ताय पितृदेवाय कर्मणे।**
**नमोऽधर्मविपाकाय मृत्यवे दुःखदाय च।।**

हे भगवान्, आप पुण्यकर्मों के फलों के दर्शक हैं। आप प्रवृत्ति, निवृत्ति तथा उनके कर्मों के फल हैं। आप अधर्म से पैदा हुए जीवन के समस्त प्रकार के दुखों के कारण भी हैं, अतः आप मृत्यु हैं। मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

**नमस्त आशिषामीश मनवे कारणात्मने**
**नमो धर्माय बृहते कृष्णायाकुंठमेधसे।**
**पुरुषाय पुराणाय साङ्ख्ययोगेश्वराय च।।**

हे भगवान्, आप समस्त आशीर्वादों को प्रदान करने वालों में सर्वश्रेष्ठ हैं, सबसे प्राचीन तथा समस्त भोक्ताओं में परम भोक्ता हैं। आप समस्त सांख्य योग्य के नियमों के अधिष्ठाता हैं। आप समस्त कारणों के परम कारण भगवान् कृष्ण हैं। आप सभी धर्मो में श्रेष्ठ हैं, आप परम मन हैं और आपका चेतना ऐसा है, जो कभी कुण्ठित् नहीं होता।

**शक्तित्रयसमेताय मीढुषेऽहङ्कृतात्मने।**
**चेतआकूतिरूपाय नमो वाचो विभूतये।।**

हे भगवान्, आप तीनों शक्तियों यथा कर्ता, करण और कर्म के नियामक हैं। इसलिए आप शरीर, मन तथा इन्द्रियों के परम संचालक हैं। आप अहंकार के परम संचालक रूद्र भी हैं। आप वैदिक आदेशों के ज्ञान तथा उनके अनुसार किये जाने वाले कर्मों के स्रोत हैं।

**दर्शनं नो दिदृक्षूणां देहि भागवतार्चितम्।**
**रूपं प्रियतमं स्वानां सर्वेन्द्रियगुणाञ्ज नम्।।**

हे भगवान्, मैं आपको उस रूप में देखने का इच्छुक हूँ, जो रूप आपके अत्यन्त प्रिय भक्त द्वारा पूजित होता है। आपके अन्य अनेक रूप हैं, परन्तु मैं तो उस रूप का दर्शन करना चाहता हूँ जो भक्तों को विशेष प्रिय है। आप मुझ पर कृपा करें और वह स्वरूप दिखलाएँ, क्योंकि वही रूप इन्द्रियों की इच्छाओं को पूरा कर सकता है जिस रूप की भक्त पूजा करते हैं।

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री अर्नब कुमार जगनानी**<br>मासलामि, पटनासिटी, बिहार | **श्री रामकृष्णा कुमार केशान**<br>मारवाड़ी मंदिर, रक्सौल, बिहार | **श्री उमेश कुमार अग्रवाल**<br>बोरिंग केनाल रोड, पटना, बिहार | **श्री तारा चंद अग्रवाल**<br>बखरी बाजार, बेगूसराय, बिहार | **श्री अंकित कुमार**<br>बखरी बाजार, बेगूसराय, बिहार |
| **श्री अमित कुमार जलान**<br>बखरी बाजार, बेगूसराय, बिहार | **श्री रोशन लाल अग्रवाल**<br>नागा रोड, रक्सौल, बिहार | **श्री रिंकू मोदी**<br>बी. राजेंद्र नगर, पटना, बिहार | **श्री चारु मोदी**<br>राजेंद्र नगर, पटना, बिहार | **श्री नीरज अग्रवाल**<br>बोरिंग रोड, पटना, बिहार |
| **श्री संजय कुमार लाठ**<br>खरमंचक, भागलपुर, बिहार | **श्री राजेश कुमार मावांडिया**<br>खरमंचक, भागलपुर, बिहार | **श्री आनंद कुमार पोद्दार**<br>नया बाजार, भागलपुर, बिहार | **श्री आदित्य जैन**<br>मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री अमित कुमार**<br>गिरधारी शाहा, भागलपुर, बिहार |
| **श्री अमित कुमार मावांडिया**<br>आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री मनोज खेतान**<br>श्याम अपार्टमेंट, भागलपुर, बिहार | **श्री संदीप कुमार जैन**<br>सराय रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री गौतम सिंघानेका**<br>डी.एन.सिंह रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री मनीष कुमार टिबड़ेवाल**<br>सुजागंज, भागलपुर, बिहार |
| **श्री अंकित गुड्डेवाला**<br>एम.पी. द्विवेदी रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री दिलीप कुमार गुड्डेवाला**<br>कलाली गली, भागलपुर, बिहार | **श्री शिल्पा राय**<br>छोटी हट, भागलपुर, बिहार | **श्री अनिल झुनझुनवाला**<br>टोडरमल लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री सुशील गोयल**<br>हीरा कुंज अपार्टमेंट, पटना, बिहार |
| **श्री किशन प्रसाद कौशिक**<br>अनाथालय रोड, कटिहार, बिहार | **श्री रामेंद्र कुमार अग्रवाल**<br>दरियापुर, पटना, बिहार | **श्री मधु अग्रवाल**<br>राजेंद्र नगर, पटना, बिहार | **श्री रेनू डालमिया**<br>कृष्णा प्रकाश पथ, गया, बिहार | **श्री आशुतोष संघायी**<br>धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार |
| **श्री आनंद कुमार संघायी**<br>धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार | **श्री शुभम अग्रवाल**<br>रॉयल गार्डेन, पटना, बिहार | **श्री अंकित कुमार सराफ**<br>साबोर, भागलपुर, बिहार | **श्री महेश कुमार बंका**<br>नया बाजार, लक्खीसराय, बिहार | **श्री उत्तम कुमार टिबड़ेवाल**<br>नालापर, पटना, बिहार |
| **श्री अनिल अग्रवाल**<br>दानापुर कैंट, पटना, बिहार | **श्री दिलीप कुमार अग्रवाल**<br>पदम गैस गली, फरविसगंज, बिहार | **श्री सावरमल अग्रवाल**<br>सुंदर लेन, फरविसगंज, बिहार | **श्री जितेंद्र कुमार जैन**<br>आर.एन. दत्ता रोड, फरविसगंज, बिहार | **श्री टेकचंद अग्रवाल**<br>वॉर्ड नं.-१८, फरविसगंज, बिहार |
| **श्री मुकेश कुमार लाखोटिया**<br>आर.एन. दत्ता रोड, फरविसगंज, बिहार | **श्री राम गोपाल गोयल**<br>चकरदाहा, फरविसगंज, बिहार | **श्री निशांत गोयल**<br>भाग कोठिला, फरविसगंज, बिहार | **श्री विक्रम कुमार अग्रवाल**<br>भाग कोठिला, फरविसगंज, बिहार | **श्री जय प्रकाश अग्रवाल**<br>चोरा पटवाहा, फरविसगंज, बिहार |
| **श्री विनोद सरावगी**<br>सदर रोड, फरविसगंज, बिहार | **श्री जय प्रकाश अग्रवाल**<br>एस.के. रोड, फरविसगंज, बिहार | **श्री निर्मल कुमार अग्रवाल**<br>राम मनोहर लोहिया पथ, फरविसगंज, बिहार | **श्री दिनेश गोलचा**<br>अरुण गोलचा पथ, फरविसगंज, बिहार | **श्री अनुराग बनेवाला**<br>एस.के. रोड, फरविसगंज, बिहार |
| **श्री किशोर कुमार दुग्गड़**<br>गोरीहरी रोड, फरविसगंज, बिहार | **श्री अजय कुमार अग्रवाल**<br>आर.एन. दत्ता रोड, अररिया, बिहार | **श्री भीम कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री प्रीतम कुमार जिंदल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री नरेंद्र शर्मा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री हेमंत कुमार बोथरा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री पदम कुमार बदरिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री विनोद कुमार जालान**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री सौरव दुग्गड़**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री आदर्श गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री ललित कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अमित गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रानू कुमार चैनवाला**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रौशन सेठिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री धनराज वैद्य**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री शीतल कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री जय कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अमर डब्रिवाला**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री पंकज कुमार पटवारी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री हरिश कुमार गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री दिनेश कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री झँवरलाल डागा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री विजय कुमार लाखोटिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री शम्भु दयाल अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री शंकरलाल वैद्य**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री आलोक कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री कमलेश वैद्य**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अशोक कुमार दुग्गड़**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री संजय कुमार दुग्गड़**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री संजय अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री विमल कुमार बनीवाला**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रमेश कुमार बियानी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अजीत डागा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री दीपक कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री बच्छराज छाजेड**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री विनय गौतम**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अमित कुमार गौतम**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अंजनी गौतम**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री चंद्रसेन गौतम**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री पवन कुमार गौतम**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री हेमंत सिखवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रमेश कुमार बहेती**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री विमल कुमार पंडिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री राजेश कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री श्याम सुंदर चोखानी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री राजेंद्र बोथरा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री नाथमल सुरेका**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री शंभू गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री शंकर लाल माहेश्वरी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री सुशील कुमार सोमानी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अमित अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री हरिश कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री किशनलाल लखोटिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रामअवतार लखोटिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री संजय बयानवाला**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री संतोष कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री कमल दुग्गड़**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री वीरेंद्र राजगढ़िया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रुपेश कुमार चोखानी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रितेश चौधरी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री श्याम सुंदर सोमानी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री राजेंद्र कुमार सोनावत**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार लुनिया**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री रघुवीर प्रसाद अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री राजेश कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री विमल कुमार सोनावत**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री मनोहर बयानवाला**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री कुंज बिहारी गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री शशिकांत गोयल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री अमन कुमार वैद्य**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री मुकेश कुमार बोथरा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री मुकेश अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री फतेह चंद्र जैन**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री पीयूष अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री निर्मल कुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री सुमन डागा**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री नीरज कुमार डोसी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री हिमांशु जैन**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री नारायण राठी**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार | **श्री राजकुमार अग्रवाल**<br>फोरबेसगंज, अररिया, बिहार |
| **श्री मुकेश झुनझुनवाला**<br>के.पी. रोड, गया, बिहार | **श्री अक्षय झुनझुनवाला**<br>के.पी. रोड, गया, बिहार | **श्री किरण झुनझुनवाला**<br>गया, बिहार | **श्री किशन कुमार शर्मा**<br>गणपतगंज, सुपौल, बिहार | **श्री विकास कुमार अग्रवाल**<br>गणपतगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल**<br>गणपतगंज, सुपौल, बिहार | **श्री अजय कुमार अग्रवाल**<br>कदमकुआँ, पटना बिहार | **श्री अनिल कुमार केजरीवाल**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री नवीन कुमार केजरीवाल**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री विनीत कुमार जालान**<br>रुँगटा सतसंग भवन रोड, भागलपुर, बिहार |
| **श्री किशन कुमार डोकानियाँ**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार केडिया**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री विकास कुमार चिरानिया**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री अशोक कुमार सराफ**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री अंकुश कुमार केडिया**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार |
| **श्री श्रीधर कुमार**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री मुकेश कुमार अग्रवाल**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री मनीष कुमार चिरानिया**<br>नवगछिया, भागलपुर, बिहार | **श्री संदीप कुमार झुनझुनवाला**<br>मनद्रोजा लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री पवन कुमार शर्मा**<br>मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार |
| **श्री आशीष शर्मा**<br>सराय चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री राज कुमार जिलोका**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री कृष्णा कुमार टिबड़ेवाल**<br>डॉ.आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री जगदीश कुमार डोकानियाँ**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री सुमित जिलोका**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार |
| **श्री रवि कुमार केडिया**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री विपुल शाह**<br>डॉ.आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार पोद्दार**<br>डॉ.आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री सुनित कुमार झुनझुनवाला**<br>डॉ.आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री गौरव सरावगी**<br>एम.पी.द्विवेदी रोड, भागलपुर, बिहार |
| **श्री संजय खेतान**<br>डॉ.आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री प्राजेश कुमार लोहारका**<br>कलाली गली, भागलपुर, बिहार | **श्री अनिल कुमार केडिया**<br>हार्डबूड लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री सुनील शाह**<br>श्री साकेत कलाली गली, भागलपुर, बिहार | **श्री मनोज कुमार सिंघानिया**<br>खरमंचक, भागलपुर, बिहार |
| **श्री जगदीश प्रसाद शर्मा**<br>सुजानगंज, भागलपुर, बिहार | **श्री सुमित कुमार तोदी**<br>डी.एन. सिंह रोड,भागलपुर, बिहार | **श्री राधेश्याम तुलस्यान**<br>टाटरपुर रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री अंकित बाजोरिया**<br>नाथनगर, भागलपुर, बिहार | **श्री सोहन लाल गोयनका**<br>गोभी खेत, भागलपुर, बिहार |
| **श्री राज कुमार केजरीवाल**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री संतोष कुमार केडिया**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री गोविंद साबो**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री संदीप कुमार डोकानियाँ**<br>खालिफबाघ चौक, भागलपुर, बिहार | **श्री सुनील कुमार दारुका**<br>डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार |
| **श्री दीपक कुमार सुलतानिया**<br>डॉ. अमुल्या घोष रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री निधि कुमार**<br>मुंदीचक, भागलपुर, बिहार | **श्री प्रशांत बाजोरिया**<br>तिनकठिया गली, भागलपुर, बिहार | **श्री अंकित कुमार लाखोटिया**<br>पहली मंजिल, स्टेशन, भागलपुर, बिहार | **श्री अनिल कुमार खेतान**<br>चुनहरी टोला, भागलपुर, बिहार |
| **श्री अजय कुमार डोकानियाँ**<br>गोपाल लाल लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री सुनील कुमार लाठ**<br>डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री गौरव बंसल**<br>डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, भागलपुर, बिहार | **श्री राहुल मेहारिया**<br>जयराम मारवाड़ी लेन, भागलपुर, बिहार | **श्री निरंजन कुमार डोकानियाँ**<br>सखीचंद कटरा, भागलपुर, बिहार |

# To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th January 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com